आवश्यकता है
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 128 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 18 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

गरमी की छुट्टियां: पहली पसंद बना अयोध्या दर्शन

मई तक ट्रेनो में टिकट नहीं, फरवरी-मार्च में भी वेटिंग

केरल, गोवा, शिमला-मनाली पीछे छूटे

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या धाम में श्री राम लला के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही लोगो का घूमने व दर्शनो के लिए पहला डेस्टिनेशन अब अयोध्या धाम बन गया है। गरमी की छुट्टियो के लिए भी लोगो का रुख अयोध्या की तरफ ही है। आमजन जो पहले गोवा, केरल, शिमला-मनाली, काश्मीर जाने की योजना बनाते थे। अब सबके मन में रामलला के दर्शनो की लालसा ही है। गरमी की छुट्टियो ट्रेनों में दो माह पहले ही इन डेस्टिनेशन की वेटिंग शुरु हो जाती है। लेकिन, इस बार वेटिंग है अयोध्या की। हाल ऐसा है कि मई तक सभी ट्रेनें फुल हैं। जून में ट्रेनों में कंफर्म सीट मिलने की उम्मीद है। अयोध्या के साथ ही बनारस के लिए भी लंबी वेटिंग है, हालांकि, सीट मिलने की उम्मीद भी है।

रतलाम से अयोध्या का सफर किसी ट्रेन से 19 तो किसी ट्रेन से 23 घंटे का है। लेकिन गर्मियों की छुट्टियों में अयोध्या पहुंचना आसान नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी कई ट्रेनों में 100 से ज्यादा वेटिंग सामने आ रही है। 18 फरवरी को ट्रेन नं. 15667 में स्लीपर में 108 वेटिंग, 23 फरवरी को ट्रेन नं. 19053 में 103 वेटिंग, 24 फरवरी को ट्रेन नं. 15635 में 104 वेटिंग, 1 मार्च को ट्रेन नं. 19053 में 105 वेटिंग है। वेटिंग के क्लियर होने की संभावना भी कम है। हालांकि, 9 मार्च को ट्रेन नं. 09465 में थर्ड एसी में 177 सीट उपलब्ध है। ऐसे ही 16 मार्च को ट्रेन नं. 09465 में 226 सीट खाली है लेकिन किराया दूसरी ट्रेनों के मुकाबले ज्यादा है। अप्रैल की बात करें तो 2 अप्रैल को सेकंड एसी में 2 सीट खाली है। 20 अप्रैल को ट्रेन नं. 15635 में 108 वेटिंग है। 10 मई को ट्रेन नं. 19167 में सेकंड एसी में दो सीट है। 16 मई को थर्ड एसी में 4 सीट है। मई के आखिरी दिनों में स्लीपर में सीट मिल सकती है। 25 मई को ट्रेन नं. 15635 में आरएसी उपलब्ध है, 29 मई को 1 सीट रहेगी।

काशी विश्वनाथ के श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ी...

अयोध्या के साथ ही काशी विश्वनाथ जाने के लिए भी कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल है। वाराणसी जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी ज्यादा है। हालांकि यहां रिजर्वेशन मिल जाएगा। 26 फरवरी को थर्ड एसी में एक सीट उपलब्ध है। ऐसे ही ट्रेन नं. 20961 में सेकंड एसी में 3 सीट है। मार्च-अप्रैल महीने में कंफर्म सीट मिल जाएगी। इसके लिए अलग-अलग ट्रेनों में प्रयास करने होंगे।

इधर गोवा के लिए आसानी से मिल रहा रिजर्वेशन...

अब ट्रेंड में भी बदलाव दिख रहा है। लोग धार्मिक यात्रा ज्यादा पसंद कर रहे हैं। असर यह है कि राजस्थान की अलग-अलग जगहों के साथ ही पहाड़ी क्षेत्र और गोवा जैसी जगह पर घूमने के लिए ज्यादा वेटिंग नहीं है। गोवा के लिए फरवरी और मार्च में रिजर्वेशन मिल रहा है।

हरिद्वार और मथुरा के लिए भी वेटिंग...

फरवरी-मार्च में घूमने की इच्छा है, तो हरिद्वार और मथुरा जा सकते हैं। यहां आसानी से रिजर्वेशन मिल जाएगा। हरिद्वार के लिए 28 फरवरी को थर्ड एसी में 6 सीट खाली है, 29 को 4 सीट है। स्लीपर में 15-16 वेटिंग है। लेकिन कंफर्म होने की संभावना है। मार्च में आसानी से रिजर्वेशन हो सकेगा। ऐसे ही मथुरा के लिए भी लंबी वेटिंग नहीं है। फरवरी में अलग-अलग ट्रेनों में सीट उपलब्ध है। मार्च में आसानी से कंफर्म टिकट मिल जाएगा। 5 मार्च के बाद सीट उपलब्ध रहेगी।

नियम कायदे जेब में, प्रशासन पर भारी...

एंबुलेंस माफिया

एक पटिया और गादी लगाकर नाम दे दिया एंबुलेंस

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एक चार पहिया वाहन खरीदा, सीटें खुलवाई, किसी के सोने और बैठने लायक दो पटिए आमने-सामने लगाए। इन पटियों पर फोम की गादी लगाई और नाम दे दिया एंबुलेंस। बड़े अस्पताल के आसपास मंडराते निजी एंबुलेंस संचालकों की एंबुलेंस नियम कायदों को ताक पर रखकर सड़को पर दौड़ रही है। यह मरीजों को उदयपुर, अहमदाबाद और इंदौर ले जा रही है। निजी एंबुलेंसों में जीवन रक्षक उपकरण ही नहीं है। प्राथमिक उपचार का बॉक्स भी गायब है। अग्निशमन यंत्र भी नहीं है। चालकों के पास कमर्शियल लाइसेंस भी नहीं है। शासकीय नियम कायदों को ताक पर रखकर चल रही निजी एंबुलेंस शासकीय एंबुलेंस से ज्यादा चल रही है। निजी वाले कम रुपये लेकर मरीजों को उदयुपर, अहमदाबाद, इंदौर छोड़ रहे हैं। इसके पीछे बड़ी मिलीभगत यह है कि कमीशन के लालच में वे बड़े शहरों के निजी अस्पतालों में मरीजों को छोड़कर आ जाते हैं।

सरकारी की बजाय करा देते निजी अस्पताल में भर्ती...

शहर में बड़े अस्पताल के आस-पास प्रतिदिन लगभग एक दर्जन से ज्यादा निजी एम्बुलेंस नियम विरुद्ध खड़ी रहती हैं। निजी एंबुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण के नाम पर ऑक्सीजन सिलेंडर और स्ट्रेचर के अलावा कुछ भी नहीं है। सूत्रों की मानें तो अस्पताल के कुछ कर्मचारियों की भी एंबुलेंस पार्टनरशीप में चल रही है। शासकीय एवं रेडक्रॉस की एंबुलेंस में उदयपुर जाने के अधिक रुपए लगते हैं। वहीं निजी एंबुलेंस संचालक मात्र इससे कम रुपए में ही मरीजों को उदयपुर पहुंचा रहे हैं। अधिकांश निजी एंबुलेंस संचालकों को उदयपुर, अहमदाबाद व इंदौर के निजी अस्पतालों में मरीज ले जाने के लिए कमीशन भी मिलता है तो वे मरीजों को शासकीय अस्पताल के बजाय निजी में भर्ती करा देते हैं।

आदेश का भी हो रहा उल्लंघन...

तत्कालीन कलेक्टर ने 6 अप्रैल 2016 को एक आदेश जारी कर कहा था कि रेडक्रॉस की एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने स्थिति में ही निजी एंबुलेंस का उपयोग होना चाहिए। बड़े अस्पताल से बाहर के अस्पतालों में रेफर किए जाने वाले मरीजों को केवल रेडक्रॉस सोसायटी की एंबुलेंस से ही भेजा जाए। लेकिन, इस आदेश का पालन नहीं हो रहा है। अस्पताल परिसर में रेडक्रॉस की एम्बुलेंस खड़ी होने के बाद भी निजी एंबुलेंसों से मरीजों को ले जाया जा रहा है। इसके अलावा तत्कालीन कलेक्टर ने परिवहन अधिकारी, यातायात प्रभारी, कोतवाली टीआई को निर्देश दिए थे कि ऐसे अवैध वाहन जो एंबुलेंस के रूप में पंजीकृत नहीं हैं या एंबुलेंस के मापदंडों की पूर्ति नहीं करते हैं, उन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

यह होना चाहिए एंबुलेंस में...

- ✻ फर्स्ट एड बॉक्स
- ✻ ऑक्सीजन सिलेंडर
- ✻ अग्निशमन यंत्र
- ✻ मरीज के लिये स्ट्रैचर, जिसमें दचके नहीं लगे
- ✻ परिवहन विभाग से एंबुलेंस वाहन के रूप में रजिस्ट्रेशन

डोडाचूरा ले जाते समय हुआ था हादसा...

निजी एंबुलेंस का मरीजों को ले जाने के अलावा मादक पदार्थों की तस्करी में भी उपयोग हो रहा है। कुछ वर्ष पहले मंदसौर की एंबुलेंस में हरे डोडों की तस्करी करने जा रहे चार युवक नयागांव के पास हादसे का शिकार हो गए थे। तेज गति ये जा रही एबुंलेंस के ट्रक से टकराने के बाद आक्सीजन सिलेंडर फटने से मंदसौर के तीन युवक जिंदा ही जल गए थे। एक गंभीर घायल हुआ था। एंबुलेंस में तस्करी का मामला उजागर होने पर कुछ दिन पुलिस ने सख्ती दिखाई और फिर अनदेखी शुरू हो गई।

दालों की तेजी पर चुनावी ब्रेक

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तुअर, मूंग, चना सहित अन्य दालों के भाव में लंबे समय से तेजी बनी हुई थी। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से भाव में लगातार गिरावट जारी है। तुवर दाल थोक में जहां 155 से 160 रुपए प्रतिकिलो बिक रही थी, अब 145 से 150 रुपए किलो पर आ गई है। साथ ही चना, मूंग, मसूर और उड़द दाल के भाव में भी 5 से 10 रुपए किलो की मंदी आई है। व्यापारियों के अनुसार अब दालों में तेजी के आसार कम हैं। भाव में कमी का कारण नई तुअर व चना दाल की आवक के साथ अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव है।

मंदसौर की बात करे तो घरों सबसे

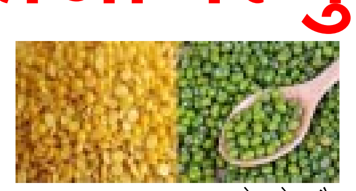

ज्यादा तुअर दाल का उपयोग होता है। ज्यादा मांग के बावजूद पिछले साल अप्रैल-मई में थोक भाव 100 रुपए किलो के आसपास था। लेकिन, पैदावार कम होने से जून-जुलाई 2023 से तुवर दाल के भाव में तेजी शुरू हो गई थी। अगस्त तक थोक भाव 180 रुपए किलो पहुंच गए थे और साल के अंत तक भाव इसके आसपास ही बने रहे। साथ ही जुलाई-अगस्त 2023 में चना, मूंग सहित अन्य दालों की मांग बढ़ने के साथ ही भाव में भी तेजी रही। 50 से 55 रुपए किलो बिकने वाली चना दाल 80 रुपए किलो तक बिकी। 100 रुपए किलो के आसपास बिकने वाली अन्य दालों के भाव बढ़कर 110 से 120 रुपए किलो के पार पहुंच गए थे। हालांकि पिछले साल अक्टूबर के अंत में दालों में गिरावट का दौर शुरू हुआ। इसका कारण मप्र, राजस्थान सहित 5 प्रदेशों में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव थे। जिससे भाव में गिरावट हुई थी। व्यापारियों के अनुसार विधानसभा चुनाव के दौरान तुअर, चना, मूंग, उड़द और मसूर दाल के भावों में 5 से 10 रुपए तक की गिरावट आई थी। चुनाव के बाद उड़द दाल को छोड़कर अन्य दाल के भाव में ज्यादा तेजी देखने को नहीं मिली। अब फिर लोकसभा चुनाव का दौर शुरू होने वाला है। 10 दिनों में तुवर सहित सभी दालों के थोक भाव में 5 से 10 रुपए किलो कमी दर्ज की गई है।

थोक व खेरची किराना बाजार के एक्सपर्ट के अनुसार फिलहाल दाल में ज्यादा मांग नहीं है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र से नई तुअर दाल की आवक शुरू होने के साथ-साथ प्रदेश में भी चना दाल की पैदावार अच्छी होने की उम्मीद है। जिससे इस माह तुअर सहित अन्य दाल के थोक भाव में नरमी बनी हुई है और कुछ दिन में ही 5 से 10 रुपए किलो की गिरावट दर्ज हुई है। आगामी दिनों में दालों की आवक बढने से भी भाव ओर काबू में आएंगे। लोकसभा चुनाव को लेकर भी सरकार दाल के भावों को कंट्रोल में रखेगी। माह के अंत तक तुअर व चना दाल की आवक बढने से भी अन्य दालों की मांग कमजोर होगी, इसका असर भावों पर पढ़ेगा। जिससे 5 से 10रुपए किलो तक की मंदी ओर देखने को मिलेगी।

मिशन अंकुर: बच्चों का होगा वार्षिक आंकलन

प्रदेश में कल से 22 फरवरी तक चलेगा मिशन

उज्जैन, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरकार अब यह बता लगाएगी कि बच्चो ने क्लास में क्या-क्या सीखा है। सरकार इसके लिए मिशन अंकुर शुरू कर रही है। इसके तहत सरकार प्रदेश में कक्षा 2 और कक्षा 3 में पढ़ने वाले बचों का वार्षिक आकलन करेगी। इसकी रिपोर्ट के आधार पर आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए कार्य-योजना बनाई जाएगी।

मिशन अंकुर कल 19 से 22 फरवरी तक चलेगा। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 2 और 3 में पढ़ने वाले बचों की बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता का वार्षिक मूल्यांकन नमूना के रूप में 19 से 22 फरवरी तक प्रदेश के 4 हजार 800 स्कूलों में एक साथ किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसके लिए परिपत्र जारी कर दिया है। इसके लिए राज्य शिक्षा केन्द्र ने नोडल प्रबंधक नियुक्त किया है। मूल्यांकन प्रक्रिया में आकांक्षी जिलों को भी शामिल किया है। वार्षिक जनगणना के दौरान गठित टीमें प्राथमिक विद्यालयों में जाकर सर्वेक्षण का कार्य करेंगी।

युवक ने फांसी लगाई, मौत

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा में अज्ञात कारणों के चलते एक 35 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में रस्सी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार सुबह की है, जब परिजन सुबह कमरे में पहुंचे तो उन्होंने युवक के शव को छत पंखे पर बने फंदे पर लटका पाया। जिस पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची बघाना थाना पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पंचनामा बनाकर बड़े अस्पताल भेजा। जहां परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। मृतक अनिल पिता भागचंद जाति भील उम्र 35 वर्ष निवासी गांव जयसिंहपुरा का रहने वाला था। फिलहाल पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

चलते ट्रक में घुसा ट्रक, चालक गंभीर

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र नीमच बाइपास स्थित चंपी चौराहा के समीप शुक्रवार-शनिवार दरमयानी रात एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक तेज रफ्तार ट्रक आगे जा रहे दूसरे ट्रक में पीछे से जा घुसा। इस हादसे में पीछे से घुसने वाला ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे 108 एम्बुलेंस की मदद से नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

बताया गया है कि हादसे के बाद ट्रक चालक करीब 1 घंटे तक केबिन में फंसा रहा। जिसे बड़ी मशक्कत के बाद ट्रक से बाहर निकला गया। इस दौरान एम्बुलेंस चालक कमलेश रावत , इएमटी स्टाफ परमानंद पाटीदार भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने ट्रक चालक को राहगीरों की मदद से केबिन से बाहर निकाला और बड़े अस्पताल पहुंचाया। ट्रक चालक राहुल पिता प्रमोद निवासी फरीदाबाद हरियाणा का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक ने शराब का भी सेवन कर रखा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विधर्मी युवकों से परेशान होकर नाबालिग ने खाया जहर, पुलिस ने किया तीन आरोपियों को गिरफ्तार

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली क्षेत्र के अलावदा खेड़ी में एक नाबालिक युवती ने तीन विधर्मी युवकों से परेशान होकर जहर खा लिया। युवती का बड़े अस्पताल में उपचार चल रहा है। युवती के बयानों के आधार पर पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की दोपहर में एक नाबालिग युवती ने जहर खा लिया, उसे तत्काल उपचार के लिए बड़े अस्पताल लाया गया, जहां पीड़िता के तत्काल मरणासन्न कथन कराये गये। जिसमें उसके ही गांव के तीन लड़कों के द्वारा परेशान किया जाना बताया। जिसके आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए धारा 354, 294, 506 भादवि, 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज तीनों आरोपियो को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इधर बालिका का उपचार कर रहे चिकित्सक ने बताया की वर्तमान में बालिका ख़तरे से बाहर है। अभी उसका उपचार चल रहा है। दूसरी तरफ घटना के बाद पुलिस ने एहतियात बरतते हुए बड़े अस्पताल सुरक्षा के माकूल इंतजाम किये और गांव मे भी पुलिस बल तैनात किया गया है।

अंतिम यात्रा

स्वर्गीय सोभाग्यमल जी जैन (दैनिक दशपुर दर्शन) की पुत्र वधु, अनिल जी जैन की भाभी, नकुल जैन की बड़ी मम्मी, स्वर्गीय धीरज जी जैन की धर्मपत्नी

श्रीमती किरण जैन

का स्वर्गवास कल 17 फरवरी, शनिवार, 2024 को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा
आज दिनांक 18 फरवरी, रविवार, 2024 को सुबह 10 बजे
निवास स्थान जीवगंज, गली 2, मन्दसौर
से शव वाहन द्वारा निकलेगी।
✻✻✻✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻✻✻✻
अनिल जैन, नकुल जैन एवं समस्त निम्बोद वाला परिवार

मामा की हत्या करने वाले भानजे ने लिखा....

'इश्क औरों जैसा नहीं, अकेले रहेंगे पर तेरे ही रहेंगे'

शराब दुकान पर काम करने वाले ने 4 नाबालिगों को तैयार किया था

इंदौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। 'मेरा इश्क औरों जैसा नहीं है। अकेले रहेंगे पर तेरे ही रहेंगे।' यह वह लाइनें है जो मामा की हत्या करने वाले भानजे ने मामी के लिए लिखी थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इंटरनेट मीडिया पर ढूंढी है।आरोपित रिमांड पर है। पूछताछ जारी है। खून से सने कपड़े, पत्थर और जिससे गला घोंटा वो गमछा जब्त कर लिया गया है।

विदुर नगर इंदौर निवासी रजाई-गद्दा व्यवसायी रुपसिंह राठौर की उसके भानजे शुभम पंवार ने हत्या करवाई है। शुभम को रुपसिंह की पत्नी यानी मामी पूजा से इश्क हो गया था। दोनों एक-दूसरे को बेपनाह चाहने लगे थे। रुपसिंह भी शराब पीकर पूजा के साथ मारपीट करता था। प्रताड़ना से तंग आकर पूजा ने शुभम

को शरीर के घाव बताए और तय किया कि रुपसिंह को रास्ते से हटाना है। शुभम मंदसौर में एक शराब की दुकान पर नौकरी करता है। उसने चार नाबालिगों को रुपसिंह को ठिकाने लगाने के लिए तैयार कर लिया। उसने कहा कि काम होने पर दस-दस हजार रुपये दे देगा।

जिस थाली में खाया उसी में छेद कर डाला...

रुपसिंह की हत्या में शुभम और पूजा की गिरफ्तारी के बाद स्वजन बेहद दुखी है। शुक्रवार को उन्होंने पुलिस अफसरों को बताया कि रुपसिंह भी शुभम को बहुत चाहता था। उसने शुभम को उसके घर में रखा। एक बार पिटाई कर दी तो वह घर से चला गया और सूर्यदेव नगर में रहने लगा। घर में रहने के दौरान ही पूजा के करीब आया। उसने जिस थाली में खाया उसी में छेद किया है।

पूजा बोली मारने का नहीं अधमरा करने का बोला...

रुपसिंह मूलत: बैतुल का था। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होते ही पूजा भी स्वजन के साथ बैतुल पहुंच गई। इस बात से बेखबर थी कि शुभम पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। देर रात पुलिसकर्मी पहुंचे और बातचीत के बहाने पूजा को हिरासत में ले लिया। शुक्रवार शाम वह इंदौर पहुंची और पूछताछ की गई। थोड़ी देर में वह टूट गई और कहा कि रुपसिंह परेशान करता था। उसके साथ बेरहमी से मारपीट करता था। शुभम से कहा था कि उसको जान से नहीं मारना है। अधमरा करना है, ताकि वह बिस्तर पर ही पड़ा रहे।

विचार-मंथन

पारदर्शिता के हक में सुप्रीम कोर्ट का फैसला...

चुनावी बांड के रूप में अलग-अलग स्रोतों से धन लेने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है और लोकतंत्र बचाने के लिहाज से इसे उम्मीद की एक किरण के तौर पर देखा जा सकता है। यों चंदा लेने के नाम पर चल रही इस व्यवस्था पर तमाम सवाल उठते रहे और इस पर रोक लगाने की मांग भी होती रही। साथ ही इसकी संवैधानिकता के संदर्भ में भी स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने साफ तौर पर चुनावी बांड की व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने यह व्यवस्था दी है कि चुनावी बांड को अज्ञात रखना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है और इसके सहारे राजनीतिक पार्टियों को आर्थिक मदद से उसके बदले में कुछ और प्रबंध करने की व्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। पांच न्यायाधीशों की पीठ में सर्वसम्मति से अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक चुनाव आयोग को जानकारी मुहैया कराएगा और आयोग इस जानकारी को इकतीस मार्च तक वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। दरअसल, एक विचित्र तर्क यह भी दिया जा रहा था कि चुनावी बांड की व्यवस्था के जरिए भ्रष्ट तरीके से जमा किए जाने वाले धन पर काबू पाया जा सकता है। जबकि इसमें जिस स्तर पर पारदर्शिता की अनदेखी की जाती रही, वह अपने आप में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का एक परोक्ष तरीका रहा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चलाने वाली ज्यादातर पार्टियों को भी इससे कोई गुरेज नहीं था कि चंदे के रूप में धन का गोपनीय तरीके से लेनदेन हो। गौरतलब है कि इस योजना के तहत आम लोगों को यह पता नहीं चल पाता था कि किसने कितने रुपए के बांड खरीदे और किस पार्टी को दिए। हालांकि संबंधित बैंक के पास इसका पूरा ब्योरा होता था कि कितने बांड किसने खरीदा और किस पार्टी को दान में दिया। ये सवाल भी उठे कि चुनावी बांड के जरिए चंदा देने वाले की पहचान चूंकि गुप्त रखी गई है, इसलिए इससे भ्रष्ट तौर-तरीकों से हासिल धन को बढ़ावा मिल सकता है। इसकी एक आलोचना यह भी थी कि यह योजना बड़े कारपोरेट घरानों को उनकी पहचान बताए बिना पैसे दान करने में मदद के लिए बनाई गई थी। विडंबना यह है कि भारतीय राजनीति में चुनावी पारदर्शिता की मांग तो अक्सर की जाती है, मगर इसके लिए जरूरी कारकों को सुनिश्चित करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखती है। हैरानी की बात यह भी रही कि इस क्रम में सूचना के अधिकार कानून को भी दरकिनार कर दिया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से चुनावी बांड की व्यवस्था को सूचना के अधिकार कानून का भी उल्लंघन माना। इस बात की आशंका निराधार नहीं रही है कि बड़ी कारपोरेट कंपनियां किसी पार्टी को मदद के तौर पर धन देने के लिए किस तरह की अघोषित सुविधाओं की मांग कर सकती हैं और ऐसे में चुनावी बांड के जरिए धन मुहैया कराने का नियम किसके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ सकता है। अब लोकसभा चुनाव के पहले पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिहाज से देखें तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक महत्व का और याद रखने लायक कहा जा सकता है।

चुनावी चंदे की पारदर्शी व्यवस्था बने...

अजीत द्विवेदी

चुनावी बॉन्ड को लेकर पिछले छह-सात साल में जितनी बहस हुई है और चंदे की इस व्यवस्था पर जितने सवाल उठे हैं उन्हें देखते हुए अब केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खुले दिल से स्वीकार कर लेना चाहिए। इसे प्रतिष्ठा का सवाल बना कर संसद के जरिए इसे बदलने का वैसा प्रयास नहीं किया जाना चाहिए, जैसा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदे की पूरी व्यवस्था को असंवैधानिक करार दिया है और इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इतना ही नहीं सरकार ने सभी पार्टियों से कहा है कि अगर किसी के पास कोई चुनावी बॉन्ड बचा है तो वह उसे तत्काल वापस लौटाए और स्टेट बैंक उसे बॉन्ड खरीदने वाले व्यक्ति के खाते में लौटा दे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि यह कानून सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है और साथ ही संविधान के अनुच्छेद 19 (1) से मिले मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन करता है। अदालत ने अप्रैल 2019 के बाद चुनावी बॉन्ड से दिए गए चंदे की सारी जानकारी 13 मार्च तक सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने एक राय से इस मामले में फैसला सुनाया है। चुनाव आयोग का फैसला बहुत स्पष्ट है। इसमें उन तमाम बातों का जिक्र है, जिसकी आशंका पिछले छह-सात साल से जताई जा रही थी। ऐसा नहीं है कि सिर्फ विरोधी पार्टियों के लोग या केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के चिरंतन विरोधी ही इस पर सवाल उठा रहे थे। भारत की दो स्वायत्त संस्थाओं ने भी इस पर सवाल उठाए थे। चुनाव आयोग ने कहा था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन करके चंदा लिया है या नहीं। साथ ही विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। इसी तरह भारतीय रिजर्व बैंक ने इस योजना को लेकर कहा था कि चुनावी बॉन्ड धन शोधन को बढ़ावा देगा। इसके जरिए काले धन को सफेद करना आसान हो जाएगा। ये दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जो बार बार उठाए जा रहे थे। साफ साफ दिख रहा था कि इस योजना में पारदर्शिता बिल्कुल नहीं है। चुनावी बॉन्ड खरीदने वाला कहां से पैसे ला रहा है यह पता लगाने का कोई जरिया नहीं था। इसलिए आयकर कानून के नियमों को लागू करने या धन शोधन के नियमों को लागू करने की संभावना समाप्त हो जाती थी। चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक ने इस पहलू की ओर ध्यान आकर्षित किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ साथ कुछ ज्यादा बड़े सवाल भी उठाए हैं। सबसे बड़ा सवाल लोकतंत्र का है, जिसमें जनता को यह जानने का अधिकार है कि जिस राजनीतिक दल को वह समर्थन दे रहा है या वोट दे रहा है उसे कहां से चंदा मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान ही कहा था कि इस तरह की गोपनीय योजना के जरिए पार्टियों को असीमित फंडिंग का रास्ता खुलता है। असल में इस योजना को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या इस तरह की चंदे की व्यवस्था से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है? इसका जवाब सुप्रीम कोर्ट के फैसले में मिला है। अदालत ने कहा है कि इससे कॉरपोरेट फंडिंग और पॉलिसी मेकिंग यानी पार्टियों को मिलने वाले चंदे और नीति निर्माण में मिलीभगत हो सकती है। जब किसी को पता नहीं होगा कि किस कॉरपोरेट ने या किस व्यक्ति ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है तो यह भी पता नहीं चलेगा कि किसी सरकार की किस योजना से किस कॉरपोरेट को क्या लाभ हुआ है। इससे लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था प्रभावित होती है और मतदाता के अधिकार भी प्रभावित होते हैं। साथ ही सरकार के कामकाज में भ्रष्टाचार व भेदभाव बढ़ने की संभावना भी पैदा होती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नसीहत देने के अंदाज में कहा है कि चुनावी चंदे में काले धन के चलन को रोकने के लिए एकमात्र रास्ता यही नहीं है। इसके अलावा दूसरे रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं, जो ज्यादा पारदर्शी हों और मौलिक अधिकार व सूचना के अधिकार का उल्लंघन नहीं करते हों। सोचें, 2017 में जब तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस योजना की घोषणा की थी और इसे लागू करने का फैसला हुआ था तब इसके विरोध पर वे बार बार कहते थे कि और कुछ हो या न हो यह तय है कि चंदे में दिया जाने वाला पैसा काला धन नहीं है। जबकि हकीकत में सबसे ज्यादा इसी पर सवाल उठा है। चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक के साथ साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर सवाल उठाया है। इसलिए सरकार को इस मामले में किसी तरह की जिद पकड़ने की बजाय ज्यादा पारदर्शी व्यवस्था बनाने के बारे में विचार करना चाहिए। ध्यान रहे भारत में राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था कभी भी परफेक्ट नहीं रही है। पार्टियों को 20 हजार रुपए से कम का चंदा बिना चेक के लेने का अधिकार है। अनेक पार्टियां ऐसी हैं, जिनको समूचा चंदा इसी तरीके से मिलता है। भारत की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी बसपा है, जो पिछले करीब डेढ़ दशक से चुनाव आयोग को बता रही है कि उसे 20 हजार रुपए से ऊपर का एक भी चंदा नहीं मिला है। सोचें, उसे सैकड़ों करोड़ रुपए का चंदा मिल चुका है लेकिन किसी ने चेक से चंदा नहीं दिया। वह सत्ता में रही तब भी उसने यही बताया कि उसे मिलने वाले सारे चंदे 20 हजार रुपए से नीचे के हैं। इस तरह के चंदे के बारे में कुछ भी जानकारी देने की जरूरत नहीं होती है और जितना भी चंदा मिलता है वह आयकर से मुक्त होता है। राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए पहले ट्रस्ट के जरिए चंदा देने की व्यवस्था भी बनी थी और बाद में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने का कानून ले आई। इस कानून में बुनियादी खामियां थीं, जिन्हें विस्तार से सुप्रीम कोर्ट ने बताया है। इस कानून के मुताबिक कोई भी व्यक्ति या कंपनी स्टेट बैंक की चुनिंदा शाखाओं से चुनावी बॉन्ड खरीद सकता था। वह जिस पार्टी को चुनावी बॉन्ड देगा उसे 15 दिन के भीतर उस बॉन्ड को कैश कराना होगा।

अहं और वहम के चेहरे

अलका 'सोनी'

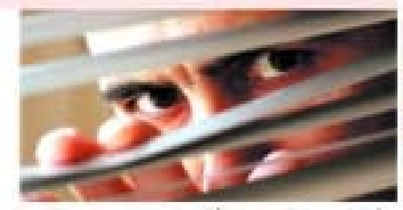

अहं और वहम एक दूसरे के समांतर एक कमाल की चीज है। विरले ही ऐसे लोग होंगे जो इन दोनों से अछूते बच पाते हों। मगर अहं हो या वहम, इन दोनों में कोई अगर किसी के अंदर थोड़ा ज्यादा गहरे पैठ गया तो दुनिया उसे अजीब नजरों से घूरने लगती है। दोनों की ही मनोस्थितियां विचित्र होती हैं। जो वहम में होता है, उसे रास्ता काटती बिल्ली, आसमान से टूटता तारा और छींक की शक्ल शकुनी-अपशकुनी तक नजर आ सकती है। मीलों दूर से छींक आती सुनाई पड़ सकती है। अगर वह कुछ नहीं देख या सुन पाता है तो बस अपने आपको और अपने दिमाग की आवाज को। उसे आसपास की दुनिया भी ठीक से कहां नजर आ पाती है! यही वह सिरा होता है, जब व्यक्ति अपने आप पर विश्वास खो देता है और धारणाओं के आधार विकसित सोच की दुनिया में गुम होकर अंधविश्वास का शिकार हो जाता है। ठीक इसी तरह जो व्यक्ति अहं में होता है, उसे भी 'मैं' और 'मेरा' छोड़ कर कुछ और नहीं दिखता, किसी अन्य की बेहद जरूरी बात भी बेमानी और अनदेखी करने लायक लगती है। ऐसा व्यक्ति अपने में ही इतना मग्न होता है कि बाहरी दृश्य उसे आकर्षित नहीं कर पाते। वह अपने ज्ञान, रूप या पैसे के अहं में चूर समाज से कटा रहता है। दरअसल, अहं का हर एक टुकड़ा एक नया आकार ले लेता है और हम सब उसे पाल-पोस कर बड़ा करते रहते हैं। मगर ऐसा भी नहीं है कि अहं हर स्वरूप में एक बेकार की चीज है। कायदे से देखा जाए तो किसी भी इंसान में थोड़ी मात्रा में अहं होती है और कई बार यह वक्त की जरूरत भी होती है। उदाहरण के लिए खुद पर भरोसे का अहं व्यक्ति को झुकने नहीं देता है, लेकिन इस स्तर के अहं को स्वाभिमान कहा जाता है। इस तरह हर किसी के पास इस तरह का अहं का होना जरूरी भी है, लेकिन बस उतना ही, जितना दाल में नमक की जरूरत होती है। दाल में नमक ज्यादा होने से जिस तरह दाल का स्वाद बिगड़ जाता है, ठीक उसी तरह व्यक्ति के अंदर अहं ज्यादा हो जाने पर उसका चरित्र बिगड़ जाता है। अहंकार पनपने लगता है। अहंकार अत्यधिक महत्वाकांक्षा और स्वयं को सर्वोत्कृष्ट मानने और दिखाने की भावना है। इस भावना के गहराने का नकारात्मक असर व्यक्ति के आचरण पर पड़ता है और वह किसी भी अन्य के अस्तित्व को खारिज करने तक पर उतर जाता है। कई बार अहं और अहंकार के बीच एक कड़ी होती है, जो दोनों को जोड़े रखती है। जब हम कहते हैं कि 'मैं वहां नहीं जा सकता, जहां मेरी कद्र न हो', तो यह स्वाभिमान है। इसकी रक्षा हमें करनी चाहिए। मगर जब हम कहते हैं 'मुझे सब कुछ आता है, मुझे ज्ञान मत दो' तो यह हमारा अहंकार बन जाता है। स्वाभिमान और अहंकार के अंतर को कालिदास से जुड़ी एक कहानी से समझा जा सकता है। कालिदास की विद्वता को भला कौन नहीं जानता, लेकिन उन्हें भी एक बार अहंकार हो गया, जब खूब सारी प्रसिद्धि और सम्मान पाकर उन्हें गर्व हो गया कि उनसे कोई शास्त्रार्थ में नहीं जीत सकता। इसी क्रम में एक बार शास्त्रार्थ के लिए जाते समय भीषण गर्मी के कारण उन्हें तेज प्यास लग गई। रास्ते में एक जगह कुएं पर एक बच्ची पानी भरती दिखी। उन्होंने उससे पानी पिलाने के लिए कहा, लेकिन बच्ची ने बदले में उन्हें अपना परिचय देने कहा। तब कालिदास को घोर आश्चर्य हुआ। उन्होंने बच्ची से कहा कि तुम मुझे नहीं जानती ! मैं बहुत बड़ा विद्वान हूं। यहां दूर-दूर तक लोग मुझे जानते हैं। इसके बाद भी उस बच्ची ने कहा कि मैं तो नहीं जानती आपको। बिना अपना परिचय दिए आपको पानी नहीं मिलेगा। फिर दोनों के बीच शास्त्रार्थ की बातें हुई। कालिदास चकित रह गए। बड़े-बड़े विद्वानों को पराजित कर चुके कालिदास एक बच्ची के सामने निरुत्तर खड़े थे। इसका कारण उनके भीतर घर कर गया वह अहंकार ही था, जिसमें डूबने के कारण कथा के मुताबिक, वे अपने समक्ष खड़ी मां सरस्वती को भी नहीं पहचान पाए थे। बाद में उन्हें अपनी गलती का आभास हुआ और उन्होंने मां सरस्वती से क्षमा मांग प्रस्थान किया। कुछ अलग करने की, दूसरों से बड़ा होने-दिखने की सोच मस्तिष्क पर हावी होती जाती है। इसी से अहंकार का बीज पनपने लगता है, जिसे जाने-अनजाने हम ही पोषित करते हैं। अहं में डूबे इंसान को यह वहम हो जाता है कि उससे महान कोई और है ही नहीं। अगर इस भावना का समय पर शमन न किया जाए तो यह अपने आश्रयदाता का विनाश कर देता है। इसलिए अहं और वहम हमसे दूर रहे तो ही बेहतर है। अहंकार ऐसा ही होता है। वह हमारे ज्ञान चक्षुओं को बंद कर देता है, जिसके कारण हमें अपने आसपास की चीजें दिखाई पड़नी बंद हो जाती हैं। हम अपने से अलग कुछ नहीं जान पाते। जीवन भर इसी भ्रम में पड़े रहते हैं कि हमारी तरह महान कोई नहीं है। यही सोच विनाश का कारण बनती है। संस्कृत के 'अहम' यानी 'मैं' में केंद्रित होने वाला व्यक्ति अहंकार रूपी रोग से ग्रस्त हो जाता है। संसार में जब शिशु जन्म लेता है तो वह निर्दोष होता है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, वैसे-वैसे बच्चे में प्रतिस्पर्धा का भाव प्रबल होता जाता है।

अबुधाबी में पीएम मोदी ने दुनिया को सनातन संस्कृति की विशिष्टि और शक्ति से परिचित करा दिया

मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। मंदिर में वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की थी और अब उन्होंने अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया है। अयोध्या में उन्होंने जहां 500 साल पुराना हिंदुओं का सपना सच किया वहीं एक मुस्लिम देश यूएई में भी असंभव को संभव करके दिखा दिया। हम आपको बता दें कि अबू धाबी में जो पहला हिंदू मंदिर बना है उसके लिए पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही की थी। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी। मंदिर का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ और अब इसके द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुल चुके हैं। अयोध्या से अबू धाबी तक के इस सफर में मोदी ने पूरी दुनिया को सनातन संस्कृति से तो अवगत कराया ही है साथ ही सनातन की शक्ति का प्रदर्शन भी किया है। बात चाहे अयोध्या की हो या अबू धाबी की, दोनों ही जगह जिस तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी वह दर्शा रही है कि सिर्फ पुरानी ही नहीं बल्कि आज की पीढ़ी भी अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करती है और उसके साथ जुड़ना चाहती है। अयोध्या के भव्य, नव्य और दिव्य राम मंदिर के बारे में तो आप सब जान ही चुके हैं इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि अबू धाबी में जिस पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया गया है वह कैसा दिखता है। हम आपको बता दें कि इस मंदिर को वैज्ञानिक तकनीकों और प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया है। दुबई-अबू धाबी शेख जायेद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस मंदिर में तापमान मापने और भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए उड़न राख यानी 'फ्लाई ऐश' (कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख) का उपयोग किया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। हम आपको बता दें कि इस भव्य मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। मंदिर में वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर अनुसंधान के लिए लाइव डेटा प्रदान करेंगे। यदि क्षेत्र में कोई भूकंप आता है, तो मंदिर इसका पता लगा लेगा। हम आपको बता दें कि इसके अलावा मंदिर में गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल और भारी ग्लास पैनल का उपयोग किया है जो पारंपरिक सौंदर्यात्मक पत्थर संरचनाओं और आधुनिक कार्यक्षमता का मेल है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5149

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5148

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5149

संकेत: बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

वर्ग पहेली 5148 का हल

वि	क	म	सा	र	भा	ई	
ला	म	रा		के	ला		क
ल		ल		र		ला	मा
क्या	जि	ब		रा	ह	ना	ई
य	ह		ब	र्म			
	स	अ	न		व		स
या			फू	ल	न	दे	वी
ह	ल	च	ल		ना	ना	

उज्जैन में एकाग्र विक्रमोत्सव का आयोजन 1 मार्च से 9 अप्रैल तक

एक माह से अधिक चलने वाले उत्सव में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन में एक मार्च से 9 अप्रैल तक एकाग्र विक्रमोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा। इस दौरान एक माह से अधिक समय तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

विक्रमादित्य शोधपीठ के संचालक डॉ. श्रीराम तिवारी एवं कलेक्टर उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि शुभारंभ के समय नगर में कलश यात्रा निकाली जायेगी। इसी दिन वैदिक घड़ी का लोकार्पण वराह मिहिर वेधशाला जंतर-मंतर में किया जायेगा। इस मौके पर विक्रम पंचांग और आर्ष भारत पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण भी कालिदास अकादमी में किया जायेगा। भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता के संग्रहालय वीर भारत न्यास का शिलान्यास भी किया जायेगा। विक्रमादित्य के न्याय पर संगोष्ठी का आयोजन और उज्जयिनी एवं विक्रमकालीन मुद्रा एवं मुद्रांक पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जायेगी। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति के सहयोग से मंदिरों में प्रभु श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। माह भर चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं नृत्यांगना हेमा मालिनी एवं उनके दल द्वारा भगवान शिव और देवी दुर्गा पर आधारित नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी जायेगी। पार्श्व गायक अमित त्रिवेदी एवं उनके सहयोगी कलाकारों द्वारा नमामि महादेव शंखनाद सांगीतिक प्रस्तुति और लेजर-शो का आयोजन होगा। विक्रमोत्सव में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, श्रीकृष्ण लीला नृत्य पर आधारित लोककला का प्रदर्शन होगा। उत्सव के दौरान 9 अप्रैल को गुड़ी पड़वा पर सूर्योपासना और महाकाल शिवज्योति अर्पण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उज्जैन के रामघाट पर 25 लाख दीपक जलाये जायेंगे। विक्रमोत्सव के दौरान 9 अप्रैल को ही उज्जयिनी गौरव दिवस का आयोजन होगा। इस दौरान प्रसिद्ध गायक जुबीन नोटियाल द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी।

उज्जैन में एक एवं दो मार्च को होगी इन्वेस्टर समिट– उज्जैन में एक और दो मार्च को इन्वेस्टर्स समिट होगी। समिट में डेयरी, खाद्य पदार्थ, एग्रीकल्चर, फिल्म निर्माण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले उद्योगों की स्थापना पर चर्चा होगी। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस और फॉर्मेसी उद्योग लगाने के इच्छुक प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी दी जायेगी। समिट में नागझिरी में क्लस्टर के रूप में प्रिंटिंग प्रेस मशीन स्थापित करने पर चर्चा होगी। समिट के दौरान एमएसएमई और स्टार्ट-अप, मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर और बायर-सेलर मीट का आयोजन किया जायेगा।

उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला एक मार्च से– उज्जैन में उज्जयिनी व्यापार मेला एक मार्च से 9 अप्रैल तक लगाया जायेगा। मेले का आयोजन नगर निगम उज्जैन करेगा। व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर से क्रय किये जाने वाले वाहनों के आरटीओ पंजीयन पर 50 प्रतिशत छूट दी जायेगी। मेले में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की बड़ी कम्पनियाँ मर्सडीज, नेक्सा, महिन्द्रा, टाटा, हुण्डई, मारुति, होण्डा के स्टॉल प्रमुख रूप से होंगे। विक्रम व्यापार मेले में करीब 182 दुकानें निर्मित की जा रही हैं। व्यापार मेले में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प की दुकानें आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। व्यापार मेला उज्जैन के पीजीवीटी में लगाया जा रहा है।

प्रदेश में 9.61 लाख परिवारों को मंजूर हुए आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में मध्यप्रदेश का लगातार बेहतर प्रदर्शन

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को उनका 'खुद का घर' देने के लिये लगातार ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 9 लाख 61 हजार जरूरतमंदों को आवास मंजूर किये जा चुके हैं। इसके लिये करीब 24 हजार 24 करोड़ रूपये के साथ-साथ बी.एल.सी. घटक के अंतर्गत 16 हजार 242 करोड़ रूपये भी मंजूर किये गये हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में मंजूर आवासों में से अब तक 7 लाख 32 हजार हितग्राहियों के मकान निर्मित कर दिये गये हैं।

एमपी को बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट अवार्ड– प्रधानमंत्री आवास योजना के लगातार बेहतर क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अवार्ड की श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला है। अन्य योजनाओं से अभिसरण, आईईसी (प्रचार-प्रसार) गतिविधियों का संचालन एवं राज्य स्तरीय तकनीकी प्रकोष्ठके प्रदर्शन में भी सर्वश्रेष्ठराज्य का पुरस्कार केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा दिया गया है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का पुरस्कार (पीएमएवाई (यू), एम्पावरिंग इंडिया अवार्ड) भी मिला है। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय की खुशियों का आशियाना प्रतिस्पर्धा में मध्यप्रदेश को 4 पुरस्कार मिले हैं।

भूमिहीन परिवारों को नि: शुल्क आवासीय पट्टा– योजना की सफलता के लिये राज्य सरकार द्वारा किये गए कई नवाचारों तथा प्रभावी रणनीतियों का विशेष योगदान रहा है। शहरी क्षेत्र में भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि का पट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे योजना के बी.एल.सी. घटक के लाभ से वंचित न रहें। यह छोटे और मझोले शहरों में योजना का सबसे लोकप्रिय घटक है, जिसमें हितग्राही अपने घर का निर्माण खुद ही करता हैं।

त्रिपक्षीय अनुबंध एवं अतिरिक्त हितलाभ– योजना के अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (अह्ह) घटक में हितग्राहियों को बैंकों से ऋण लेने की कठिनाई को दूर करने के लिये विभाग द्वारा त्रिपक्षीय अनुबंध के जरिये नगरीय निकायों की जिम्मेदारी पर हितग्राहियों को सुगमतापूर्वक ऋण दिलाया है। साथ ही शहरी क्षेत्र के पंजीकृत गरीब निर्माण श्रमिक, जो हितग्राही-अंश की पूर्ति करने में सक्षम नहीं है, उनके लिये प्रधानमंत्री आवास योजना में तय राशि के अलावा एक लाख रूपये तक का अतिरिक्त अनुदान मुख्यमंत्री भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार आवास योजना से दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि ए.एच.पी. घटक में राज्य व केंद्रीय अनुदान से गुणवत्तापूर्ण किफ़ायती आवास निर्माण कर शहरी आवासहीन परिवारों को उपलब्ध कराया जाता है। योजना की गति बढ़ाने और हितग्राहियों को प्रोत्साहित करने के लिये समय-समय पर राशि वितरण, गृह प्रवेश, भूमिपूजन के साथ हितग्राही संवाद कार्यक्रम भी प्रदेश में लगातार किये जा रहे हैं।

विभागीय मंत्री के निर्देश– नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बेहतर क्रियान्वयन के लिये विभागीय अधिकारियों को सतत् समीक्षा करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं नगरीय निकायों के सहयोग से प्रदेश के सभी आवासहीन परिवारों के 'खुद का घर' के सपने को साकार किया जायेगा।

मराठा समाज मनाएगा शिवाजी जयंती

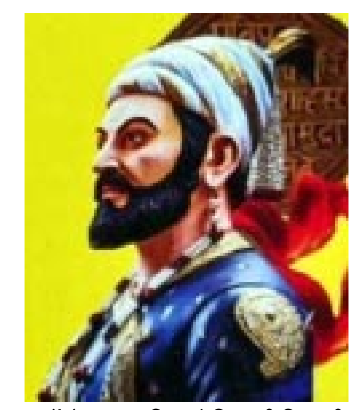

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षत्रिय मराठा समाज नीमच के तत्वाधान में मराठा समाज के महान वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी का जयंती महोत्सव आज 18 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 4बजे तक चोरडिया अस्पताल के पीछे मां तुलजा भवानी मंदिर परिसर में महिलाओं एवं बच्चों की विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ मनाया जाएगा। क्षत्रिय मराठा समाज नीमच के अध्यक्ष एडवोकेट रूपेश जाधव ने बताया कि शिवाजी जयंती महोत्सव की पावन श्रृंखला में 19 फरवरी सोमवार सुबह 9:30 बजे पिपली चैक नीमच सिटी स्थित शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात वाहन रैली का शुभारंभ होगा वाहन रैली नीमच सिटी के प्रमुख मार्गो से होते हुए एलआईसी चैराहा के समीप चोरडिया अस्पताल के पीछे माता तुलजा भवानी मंदिर पर पहुंचकर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में परिवर्तित हो जाएगी। इसके साथ ही सोमवार सुबह 11:45 बजे माता तुलजा भवानी की आरती सभी समाज जनों की उपस्थिति में की जाएगी। तथा 12बजे वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापगढ़ राजस्थान के समाजसेवी अशोक कुमार शर्मा होंगे। क्षत्रिय मराठा समाज के सचिव संभाजी राव जाधव, उपाध्यक्ष रमेश मोरे, मूर्ति वाटिका निर्माण संयोजक विनोद नवले, अशोक दलवी, शिवाजी जयंती रैली संयोजक आनंद नवले, संदीप राव पंवार, कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र देवधर, उत्सव मिलन समारोह संयोजक इंद्रेश जाधव, महिला उपाध्यक्ष उषा दलवी सह सचिव निर्मला जाधव कोषाध्यक्ष मंगेश राव दल्वी ने क्षेत्र के समस्त मराठा समाज जनों से आह्वान किया है कि सभी शिवाजी जयंती कार्यक्रमों में सहभागी बनकर सामाजिक एकता प्रदर्शित करें। कार्यक्रम का विश्राम स्नेह मिलन समारोह के साथ आयोजित होगा। कार्यक्रमों में सभी समाज के पुरुष श्वेत परिधानों में तथा महिलाएं केसरिया लाल परिधानों में सहभागी बनेंगी।

अंतराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन 5 मार्च तक करें

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री जगदीश प्रसाद अधीक्षक डाकघर मंदसौर द्वारा बतया गया कि भारतीय डाक विभाग द्वारा अंतराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन 5 मार्च 2024 तक कर सकते है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राएँ अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा का उपयोग कर सकते है। अंतराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता 10 मार्च 2024 को प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। परिमंडल स्तर पर प्रथम तीन विजेताओं को प्रथम 25 हजार, द्वितीय 10 हजार एवं तृतीय 5 हजार रूपयेव राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम 50 हजार, द्वितीय 25 हजार एवं तृतीय 10 हजार रूपये पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएगें। वैश्विक डाक संघ द्वारा चयनित प्रतिभागियों को अन्य पुरस्कार भी प्रदाय किए जाएँगे। स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को वैश्विक डाक संघ के मुख्यालय बर्न, स्विटज़रलैंड की यात्रा करने का प्रस्ताव या एक वैकल्पिक पुरस्कार यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के विवेकाधिकार पर निश्चित किया जावेगा। प्रतियोगिता में 9 से 15 वर्ष तक की छात्र- छात्राएं प्रतियोगिता में भाग ले सकते है। अधिक जानकारी के लिये नोडल अधिकारी श्री दिलीप कुमार गुप्ता सहायक अधीक्षक के मोबाइल नं. 7587598470 पर, डाक विभाग की वेबसाइट http://www.indiapost.gov.in `m कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

यादव महासभा की बैठक संपन्न, 31 मार्च को युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजन का हुआ निर्णय

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। यादव महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक, यादव महासभा अध्यक्ष पवन कुंगर के नेतृत्व में स्थानीय गांधी वाटिका में संपन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में समाज जनों ने भाग लिया। यादव महासभा की आगामी गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा करते हुए नीमच में एक युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजन करवाने का निर्णय लिया गया।

जानकारी देते हुए यादव महासभा के सचिव विकास भरंग ने बताया कि यादव महासभा की बैठक में कई समाज जन एकत्रित हुए जिन्होंने कई आयोजनों को लेकर विचार रखे, जिसमें मुख्य मुद्दा उठा कि विगत लगभग 10 सालों से यादव समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन नहीं हुआ है जिसके चलते कहीं ना कहीं वर-वधु पक्ष के पालकगणो को वर-वधू तलाशने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 31 मार्च रविवार को नीमच में यादव समाज का एक युवक युवती परिचय सम्मेलन यादव महासभा कार्यकारिणी के प्रबंधन में आयोजित किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से परिचय सम्मेलन संयोजन की जिम्मेदारी अग्रणी समाज सेविका की भूमिका निभाने वाले युवा रवि गोयल व पुष्कर सिंह चौहान को दी गई। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन यादव महासभा के पूर्व अध्यक्ष रतन लाल कणिक, देवेंद्र जी प्लास, शाखा सभा इंदौर के पूर्व अध्यक्ष अशोक तोमर, यादव कम्युनिटी सेंटर के अध्यक्ष चंदन सिंह हरित, कमल सागर, नरेंद्र भरंग, शंकर लाल भरंग, अजय जयंत, हंसराज प्लास, यादव महासभा अध्यक्ष पवन कुंगर, उत्सव समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र कुंगर, युवा सभा अध्यक्ष कालू सिकोदा, महासभा उपाध्यक्ष जितेंद्र कुंगर, रामदयाल व्यास (लाला), इंदर जयंत, सोनू हरित, विनोद प्लास, कोषाध्यक्ष यशवंत बख्तरिया, मुख्य प्रवक्ता रवि गोयल, महासचिव पुष्कर चौहान, सचिव विकास भरंग, सहसचिव - मनीष जयंत, संगठन महामंत्री तेजू व्यास, संगठन महामंत्री विजय जोहरी, नरेश भरंग, सुधीर सागर, प्रदीप वरुण, सुरेश सागर, संस्कृतिक संयोजक मोहित प्लास, व्यवस्था प्रमुख सुरेश प्लास, व्यायाम शाला अध्यक्ष मुकेश पारुआ, सह प्रवक्ता भास्कर मौर्य, उत्सव समिति उपाध्यक्ष सूरज राजोरिया, सचिव दिनेश चौहान, सह सचिव पीयूष कणिक, कोषाध्यक्ष सूरज खुआर, प्रचार मंत्री नितेश सगर, कार्यालय मंत्री कमल खेर, मीडिया प्रभारी आदित्य भरंग, चल समारोह संयोजक नवीन यादव, युवा सभा उपाध्यक्ष प्रीतम सागर, अभिषेक भरंग- उपाध्यक्ष, सचिव विकास हरित, अमन भरंग, सह सचिव शिव व्यास, अक्षय जयंत, प्रचार मंत्री विशाल मौर्य, सोशल मीडिया प्रभारी लोकेश सागर एवं यादव महासभा नीमच केंट कार्यकारिणी के कई पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

रिद्धि, सिद्धि महिला मण्डल ने मृत्यु उपरान्त लिया नेत्रदान का संकल्प

पिपलियामंडी, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। रिद्धि सिद्धि महिला मंडल पदाधिकारियों व सदस्यों ने नेत्रदान का संकल्प लिया है। इसकी सभी पदाधिकारियों ने शपथ भी ली और कहा कि हमारी मृत्यु उपरान्त हमारे नेत्रों का दान किया जाए। इस अवसर पर सदस्य प्रीति अग्रवाल ने बताया कि क्लब की सभी महिलाओं की बैठक हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया। इस असर पर समता जैन, रेखा जैन, वन्दना पाटीदार, रानू गोयल, मनीषा उदिया, शांति गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, ज्योति गुप्ता, चन्दा गुप्ता, शशिबाला कौशिक, वर्षा अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

शाकद्विपीय (मग) ब्राह्मण समाज ने सूर्य सप्तमी उत्सव मनाया

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शाकद्वीपीय (मग) ब्राह्मण द्वारा सूर्य सप्तमी उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम आराध्य सूर्य देव के चित्र पर पुष्पमाला अर्पण कर पूजन अर्चन किया गया। पश्चात सूर्य चालीसा का सामूहिक पाठ किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठचंद्रकांत शर्मा ने समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा की हमारे बच्चे प्रतिदिन सूर्य चालीसा का पाठ करें और सूर्य को अर्घ्य दे ऐसा हमें प्रेरित करना चाहिए क्योंकि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के आराध्य सूर्य देव है जिनकी हमें नित्य पूजन करना चाहिए। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष पुष्करराज शर्मा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में भगवान सूर्यदेव की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रहलाद शर्मा, योगेश शर्मा, संतोष शर्मा(कालू), जितेंद्र शर्मा, सोनू शर्मा, दिलीप शर्मा, राजेश शर्मा, अजय शर्मा, महेश शर्मा, सन्नी शर्मा, कपिल शर्मा, कुणाल शर्मा, नवीन शर्मा, श्रीकांत शर्मा, प्रतीकशर्मा, गोटूशर्मा, यज्ञ शर्मा, मयंक शर्मा, मनन शर्मा, मातृशक्ति में पूजादेवी शर्मा, श्रीमती दुर्गेश नंदिनी शर्मा, कुसुम शर्मा, निशा शर्मा, सीमा शर्मा, अलका शर्मा, सुधा शर्मा, मंजू शर्मा, जुली शर्मा, नीलम शर्मा शिवांगी शर्मा सहित सभी समाजजन उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन से खुश है मेघपुरा के ग्रामीण, मिल रहा है पर्याप्त पेयजल

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गम्भीरी नदी के किनारे एक गाँव बसा है मेघपुरा। मेघपुरा नीमच जिले के जावद विकासखण्ड की गुजरखेड़ी साँखला ग्राम पंचायत का गाँव है, किन्तु भौगोलिक और सांस्कृतिक दृष्टि से यह गाँव राजस्थानी संस्कृति से ओतप्रोत है।गाँव के समीप बहने वाली गम्भीरी नदी का एक हिस्सा मध्यप्रदेश का है, तो दूसरा राजस्थान का। यह नदी दोनों राज्यों की सीमाओं का विभाजन करती हैं।कालान्तर में मेवाड़ राज्य का हिस्सा रहे इस अंचल में राजस्थानी भाषा और वेशभूषा का प्रभाव स्पष्टझलकता हैं।

लगभग 1185 की जनसंख्या वाले मेघपुरा में 252 के लगभग मकान है, जहाँ विभिन्न जातियों के लोग निवास करते है। नीमच जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव के लिए अठाना से गोठा जाने वाले मार्ग पर चार खम्भा चौराहे से दक्षिण दिशा में एक रास्ता जा रहा है, जिस पर कोई दो किलोमीटर चलकर पहुँचा जा सकता है। मेघपुरा विकासखण्ड मुख्यालय जावद से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। मेघपुरावासियों के सामने पीने के पानी को लेकर बड़ी चुनौती थी। एक समय था, जब पीने का पानी दूर-दूर स्थित खेत के कुओं से लाना पड़ता था। पुरुष वर्ग साईकिलों पर डिब्बे बांधकर पानी लाते थे, वहीं महिलाएं भी पानी के लिए बड़ा संघर्ष करती थीं। यूँ कहे, कि वे एक तरह से कठिनाइयों और चुनौतीपूर्ण स्थिति में जीवन यापन करती थीं। मगर अब उनके अच्छे दिन आ गए है। यहाँ बनी नल जल योजना ग्रामीणजनों के लिए वरदान साबित हुई और पीने के पानी को लेकर वे आत्मनिर्भर होकर अब सुकुन की जिन्दगी जीने लगे हैं। जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने मेघपुरा में 71. 25 लाख रुपयों की लागत से रेट्रोफिटिंग योजना बनाई जिसके तहत अगस्त 2021 में कार्य प्रारम्भ करके निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर-'जल से वंचित नहीं रहेगा अब कोई घर-परिवार, जल जीवन मिशन पहुंचाएगा नल से जल, सबके द्वार' की परिकल्पना को साकार करते हुए लगभग 252 घरों में नल कनेक्शन देकर लोगों की प्यास बुझाई है। अब ग्रामीणों को नल से शुद्ध जल मिल रहा है। योजना का संक्षिप्त विवरण देते हुए कार्यपालन यंत्री श्री एस.सी.जनोलिया ने बताया, कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने मेघपुरा में पेयजल स्त्रोत के तहत एक नवीन नलकूप खनन करवाया, जिसमें पर्याप्त पानी है। उसी नलकूप से गाँव की योजना बनाई गई। योजना में एक नलकूप और प्रस्तावित है।

देवी का रूप, देवों का मान है बेटियां-पाटीदार

गुप्त नवरात्रि के अवसर पर आराध्या ने किया बेटियों को जन्म देने वाली नौ माताओं का सम्मान

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजमाता विजय राजे सिंधिया जिला चिकित्सालय परिसर नीमच में समाजसेवी संस्था आराध्या वेलफेयर सोसाइटी संयोजिका एडवोकेट माया (मीनू) लालवानी ने बताया कि बेटियों को जन्म देने वाली माताओं के सम्मान का अभियान आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से निरंतर जारी है इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार ने आराध्या वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा निरंतर की जा रही सेवा व परामर्थ की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया को मां का महत्व भारत ने बताया है देश में सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को आगे बढ़ने का काम निरंतर हमारी सरकारें कर रही है और उसी को आगे बढ़ने का कार्य आराध्या वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है साथ ही इस अवसर पर पवन पाटीदार व रेड क्रॉस के सत्येंद्र राठौड़ की उपस्थिति में जरूरतमंदों को समाजसेवी चंद्र प्रकाश (मोमू) लालवानी ने अपने जन्म दिवस पर तत्काल ब्लड डोनेड भी किया ओर आज इसी अवसर पर आराध्या संस्था की टीम के द्वारा गुप्त नवरात्रि पर जिला चिकित्सालय जच्चा बच्चा वार्ड में पहुंचकर बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को मोतियों की माला पहनकर व उपहार स्वरूप ड्राई फ्रूट, बिस्कुट व टिफिन आदि देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी नीमच के जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार व इस मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सत्येंद्र राठौर एवं आराध्या संयोजिका एडवोकेट (मीनू) माया लालवानी तथा समाजसेवी, ज्योति रोहिड़ा, काजल धामेचा, मीना रोहिड़ा, सिमरन कोटवानी, रुक्मणी जेसवानी, जिया रामचंदानी, हर देवी मोटवानी, चंद्रशेखर जायसवार, रईस हुसैन पटवा, विक्की छाबड़ा, चंद्र प्रकाश (मोमू) लालवानी, शफीक कुरैशी, ठाकुर सज्जन सिंह वाघेला, अजय पाटीदार, अंकित श्रीवास्तव, शुभम चौहान, अमन जायसवार व अन्य कई गणमान्य उपस्थित रहे।

प्रकृति को बचाएंगे, दुनिया को बदल देंगे, नया इतिहास बनाएंगे, सबको संबल देंगें-कवि कपूर

मनासा, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मैन ऑफ़ टाइम - अंतर्राष्ट्रीय सदभावना मंच के तत्वावधान में 131 वां आयोजन : बसंत महोत्सव : अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन संस्थापक - महानिदेशक कवि संदीप कपूर वक़्तनाम के कुशल संचालन में किया गया। बसंत महोत्सव कवि-सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि ऋतुराज वसंत लोक-जीवन में प्रेम और श्रृंगार के साथ नव-जीवन और सृजन का उत्साह लेकर आता है। जीवन में प्रेम, रस और श्रृंगार का गहरा महत्त्व है। क्योंकि यह क्लांत-मन को स्नेह-सिक्त कर पीड़ा-हर उल्लास से उत्प्रेरित करता है। जीवन को ऊर्जा देता है। इसीलिए भारतीय वांगमय में ऋतुराज वसंत का महिमामय उल्लेख मिलता है।

डॉ. सुलभ ने अपनी इन पंक्तियों से वसंत का अभिनन्दन करते हुए कवि-सम्मेलन का उद्घाटन किया कि - अबकि होली में है आयी याद गाँव की अमराई/ भरा मदन रस से तन मन जो मदमाती वह पुरवाई / पगडंडी पर दौड़ लगाना / पीले सरसों का मुस्क़ाना/ बड़की भौजी का दुलराना / अंक लगा कर रंग लगाना / सबकी नज़रों से बचाकर जिसने प्रीत की प्रथा सिखाई। कार्यक्रम के अध्यक्ष कवि कैलाश ठाकुर सेवा निवृत्त वाणिज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रशासन, मुख्य अतिथि सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार आकाशवाणी भागलपुर के कार्यक्रम अधिशासी अतुल प्रियदर्शन, कला निर्देशक डॉ. तृप्ति कुमारी तान्या, संरक्षक रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के वरिष्ठअनुवाद अधिकारी कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान, ब्रजेश कु. प्रसाद गौरव, डॉ.कृष्णा सिंह, अधिवक्ता अविनाश कुमार पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि डॉ. बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता ने सभी को बसंत पंचमी पर शुभकामनाएं दिया।

'जय भारत - जय जगत' के उदघोष के साथ सभी आमंत्रित महानुभावों का अभिवादन करते हुए संस्थापक-महानिदेशक कवि संदीप कपूर वक़्तनाम ने कहा कि प्रकृति में ऋतुराज बसंत के शुभ आगमन और ज्ञान-विद्या-कला-साहित्य एवं संगीत की देवी माँ सरस्वती के पावन पूजन-अर्चन बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन है। मैन ऑफ़ टाइम - विश्व सुरक्षा अभियान... अंतर्राष्ट्रीय सदभावना मंच पर सदभाव के साथ प्रकृति प्रेम और मानव धर्म में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें।' प्रेरणा-शक्ति अध्यापिका मंजु कपूर को स्मरण कर मंच संचालन करते हुए उन्होंने कहा कि, 'ब्रह्माण्ड-नायक श्रीराम, करते हैं कल्याण। रामशरण में आइये, करिए उनका ध्यान॥' इसके साथ ही शानदार कवि सम्मेलन में वासंती कविता-गीत और ग़ज़ल का दौर शुरू हुआ...यह कार्यक्रम दो सत्रों में चला। अध्यापिका साहित्यकार डॉ. तृप्ति कुमारी तान्या ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया - 'हे शारदे माँ हे शारदे माँ, विकल व्यथित मन को आधार दे माँ। ऋतु बसंत पावस सम लागे।' कवि विनय कुमार ने सुनाया- 'वाणी के वरदान से मिले मान-सम्मान।' गोविंदा वर्सेकर - 'ज्ञान का उजाला है तू माँ शारदे, सारे अवगुण से मानव को तू तार दे' डॉक्ट- बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता ने कहा- 'कामना पूरी करें हे माँ ज्ञानदायिनी', डा.कृष्णा सिंह - 'अब तक पतझड़ मौन था आया बसंत बहार।' कवयित्री ब्राम्ही कपूर ने 'वह शहीद हुए हैं मरे नहीं इस दिल में हर पल जिंदा हैं' के साथ पुलवामा के वीर शहीदों को नमन किया। 'गुरमीत सिंह मीत जरमस्तपुरी- 'ये बेटी मेरी जो जज बनी, मैंने कचरे से उठाई थी' कवयित्री विश्वांगी कपूर- 'हे माँ सरस्वती वीणा धारिणी माँ तेरे आगे हम तो शीश झुकाते हैं' वर्षा बरनवाल, अविनाश कु.पांडेय, पीयूष गोयल की रचना सराही गई। 'चले भी आओ प्रिय ऋतुराज, तुम्हारा स्वागत है' और एक ग़ज़ल के साथ धन्यवाद ज्ञापन कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान ने किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	5	2051	2281
उड़द	1	7700	7700
सोयाबीन	3100	37411	4643
गैहु	1777	2370	3366
चना	105	5001	5551
मसुर	550	5000	5800
धनिया	900	4091	6001
लहसुन	24000	4000	15500
मैथी	273	3911	5700
अलसी	688	4400	5040
सरसो	2500	4002	4971
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	3	9899	14999
प्याज	262	600	1311
कलोंजी	5	12990	16499
डॉलर	0000	0000	0000
तिल्ली	1	14001	14001
मटरसुखी	2	2880	4660
असालीया	435	5350	7100

सांसद सुधीर गुप्ता बने संसद के रत्न

क्षेत्र के विकास एवं सदन में सक्रियता को लेकर तीसरी बार संसद रत्न अवार्ड से सम्मानित हुए

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद सुधीर गुप्ता तीसरी बार संसद रत्न अवार्ड से सम्मानित हुए। दिल्ली में प्राइम पॉइंट फाउंडेशन के द्वारा आयोजित एक समारोह में तेलंगाना व पुडुचेरी राज्यपाल डॉ तमिलिसै सौंदरराजन, गृह राज्यमंत्री भारत सरकार अमित मिश्रा एवं सुप्रिम कोर्ट के पूर्व न्यायधीश संजय किशन कौल, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष हंसराज अहीर द्वारा सांसद सुधीर गुप्ता को तिसरी बार संसद रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व सांसद गुप्ता को फेम इंडिया अवार्ड एवं भारत गौरव लाईफ टाईम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं।प्राइम पॉइंट संस्था द्वारा पूरे देश के सांसदो को उनके लोकसभा कार्यकाल में निरंतरता और उनके प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग श्रेणी में उनके द्वारा किए गए कार्यो पर यह पुरस्कार वितरित करती है। इस पुरस्कार की स्थापना भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के कहने पर इन सम्मानों की स्थापना की, जिन्होंने स्वयं 2010 में चेन्नई में पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन किया था। यह भारत में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सांसदों को सम्मानित करने के लिए नागरिक समाज द्वारा दिया जाने वाला एकमात्र पुरस्कार है। किसी भी सांसद के क्षेत्र में सक्रियता, उनके द्वारा किए गए कार्य और सदन में व्यापक प्रदर्शन पर आधारित हैं, इस पुरस्कार के लिए नामांकित व्यक्तियों का चयन कानून और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएस कृष्णमूर्ति की अध्यक्षता वाली एक प्रतिष्ठित जूरी समिति द्वारा किया गया।

सांसद सुधीर गुप्ता को यह पुरस्कार क्षेत्र में लगातार सक्रियता, किसान हितैषी योजनाओं और उनके विकास पर किए गए निरंतर कार्यो के साथ ही सांसद गुप्ता ने संसदीय क्षेत्र में रेलवे के अभूतपूर्व विकास और नीमच व मंदसौर में मेडिकल कॉलेज जैसी बडी उपलब्धियों को लाकर संसदीय क्षेत्र को देश में एक ही संसदीय क्षेत्र में तीन मेडिकल कॉलेज जैसी ऐतिहासिक विकास की सौगात दी है। 2014 से पूर्व अफीम किसानों को लायसेंस के लिए कठिन परिस्थियों से गुजरना पडता था वहीं आज सांसद गुप्ता ने आसान लायसेंस प्रक्रिया करवाई जिसके चलते किसानों को इसका लाभ मिला और हजारों पट्टे बहाल हुए। आज देश का सबसे बडा दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे जिसका सबसे अधिक हिस्सा संसदीय क्षेत्र से होकर गुजर रहा है और निश्चित ही इसका व्यावसायिक लाभ आने वाले समय में क्षेत्रवासियों को मिलेगा। सांसद गुप्ता ने बताया कि मोदी सरकार की कई महत्वकांक्षी योजनाओं से क्षेत्रवासियों को आजादी के बाद जाकर अब लाभ मिल रहा है इसमें गांधीसागर जलप्रदाय योजना, गांधीसागर सिंचाई योजनाओं जैसी हजारों करोड की योजनाएं शामिल है। इसी के साथ ही शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आवास जैसी अनेक योजनाओं में क्षेत्र अव्वल है। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस पुरस्कार को क्षेत्र की जनता और देश में मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो को समर्पित किया है, जो लगातार देश की जनता और किसानों के विकास और कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

सर्विसिंग के लिए आई कार में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के कैंट थाना क्षेत्र के हवाई पट्टी रोड स्थित कालानी नगर में शनिवार दोपहर को एक गैराज में सर्विसिंग की जा रही कार में आग लग गई। जिससे इलाके में अफरा तफरी मच गई।

दरअसल, गैराज में एक मारुति वेन गाड़ी सर्विसिंग के लिए आई थी। जिसमें अचानक से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते तेजी से आग की लपटें उठने लगी। इस आग ने कुछ ही देर में गैराज में खड़ी एक अन्य कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की जानकारी मिलते ही कैंट थाना पुलिस, दमकल की गाड़ी ओर आसपास के रहवासी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। वहीं मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है की गैराज का संचालन हाजी जाहिद भाई का बेटा आरिफ द्वारा किया जा रहा था। जहां यह कार सर्विसिंग के लिए आई थी। प्रारंभिक तौर में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। कार में गैस किट भी लगा था। आगजनी की घटना से गैराज में रखे हुए अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचा है।

इसरो ने लांच की इन्सेट-3डीएस सैटेलाईट

आंध्र प्रदेश, । इसरो ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जियोसिंक्रोनस लॉन्च वाहन F14 (GSLV-F14) पर INSAT-3DS मौसम उपग्रह लॉन्च कर दिया है।

क्या है इन्सैट-3DS?-इन्सैट-3डीएस एक मौसम विज्ञान और आपदा चेतावनी उपग्रह है। यह नया भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह है। INSAT-3D और INSAT-3DR उपग्रहों से मिलने वाली सेवाओं को जारी रखने की अनुमति देगा। इसरो के अनुसार, इन्सैट 3डी एक जियोसिंक्रोनस उपग्रह है, जो वायुमंडलीय इमेजर और साउंडर जैसे मौसम संबंधी पेलोड से लैस है। इन्सैट-3डीआर, इन्सैट-3डी का उन्नत संस्करण है।

मौसम पूर्वानुमान और आपदा की देगा चेतावनी–उपग्रह का उत्थापन द्रव्यमान 2275 किग्रा है। इसरो के अनुसार, इन्सैट-3DS को मौसम संबंधी अवलोकन करने, मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए डिजाइन किया गया है। उपग्रह कई अत्याधुनिक पेलोड से लैस है। जिसमें छह चैनल इमेजर, एक 19-चैनल साउंडर और दो संचार पेलोड है। साथ ही डेटा रिले ट्रांसपोंडर उपकरण और सैटेलाइट-एडेड सर्च एंड रेस्क्यू ट्रांसपोंडर है।

इसरो का साल 2024 का दूसरा मिशन–डीआरटी का उद्देश्य स्वचालित डेटा संग्रह प्लेटफार्मों और स्वचालित मौसम स्टेशनों से मौसम, जल और समुद्र विज्ञान डेटा प्राप्त करना है। वहीं, मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं को बढ़ाना है। जीएसएलवी एफ14 इसरो का 93वां और इस वर्ष का दूसरा मिशन होगा।

केशव स्मारक समिति द्वारा हुआ व्याख्यान माला का आयोजन

भारतीय संस्कृति आज भी अपने वैश्वीकरण, अनुभव के साथ अजर-अमर बनी हुई-पटेल

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव स्मारक व्याख्यान माला समिति मंदसौर के तत्वावधान में स्थानीय कुशाभाऊठाकरे सभाकक्ष में दो दिवसीय व्याख्यानमाला आयोजित किया जा रहा है जिसमे प्रथम दिवस

भारतीय संस्कृति का विश्व संचार विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री बलिराम पटेल रहे। अध्यक्षता डॉ. विजय शंकर मिश्र ने की। समिति अध्यक्ष श्री दशरथ सिंह झाला भी मंचासीन रहे। अपने व्याख्यान में मुख्य वक्ता बलिराम पटेल ने विश्व के अनेक देशों में भारतीय संस्कृति किन-किन रूप में विद्यमान है, उस पर अपना प्रभावी व्याख्यान दिया। भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वाधिक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति है। भारत को विश्व की सभी कलाकृतियों की जननी माना जाता है जिसमें अनेक कलाएं, साहित्य एवं आध्यात्मिक विकास हो या तकनीकी क्षेत्र का विकास हो या फिर राजनीति, सामाजिक विकास और चिकित्सकीय विकास ही क्यों न हो, इन सभी क्षेत्रों में भारतीय संस्कृति का सदैव एक महत्वपूर्ण स्थान है। भारतीय संस्कृति आज भी अपने वैश्वीकरण पुरातन अनुभव के साथ अजर-अमर बनी हुई। विभिन्न जातियां, जीवन पद्धतियां, परंपराएं और सामाजिक संस्कृतियों के बावजूद भी यहां का जीवन-दर्शन ऐसा है कि, भारत की सीमाओं से बाहर रहने वाले लोग जीवन में एक बार यहाँ आने के ख्वाहिश रखते हैं। विदेश में कुछ लोग तो ऐसे मिल जाते हैं जैसे उनका भारत से कोई पूर्व जन्म का नाता हो।

श्री पटेल ने कहा कि सर्वे भवंतु सुखिन:, कृण्वंतो विश्वम् आर्यम् , एवं वसुधैव कुटुंबकम की हमारी भावना ही भारतीय संस्कृति का मूल आधार है और यही कारण है कि अनेक आक्रमणकारी जातियों को हमने अपने में समाहित कर लिया और एक दिन ऐसा आएगा जो हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं के विरोधी हैं, वह भी भारतीय संस्कृति तथा सनातन धर्म को अंगीकार करेंगे। श्री पटेल ने कहा कि विश्व के अन्य सभी देशों से हमारी भारतीय संस्कृति अति प्राचीन हैं अनेक प्रमाण हैं जो यह बात सिद्ध करते हैं। भारत को महाशक्ति यानि विश्वगुरु बनने में अवरोध उत्पन्न करने वाले, देश को स्वाभिमान शून्य करने वालो ने देश को हीनता की ग्रंथि में धकेल दिया। अंग्रजी शिक्षा पद्धति में भारत को ही, भारत में नहीं पढ़ाया गया। आपने कहा कि विश्व की प्राचीनतम संस्कृति भारत की है जो नर से नारायण बनाती है जिसका प्रभाव पूरे विश्व पर है ऐसे अनेक उदाहरण हमारे पास हैं। हमारी संस्कृति मृत्युंजय है अजेय है। विश्व में केवल भारत ही है जिसने अपनी धरती को मां का सम्मान दिया इसे मां माना। श्री पटेल ने कहा कि हमारी संस्कृति व्यवस्था की संस्कृति है परिवार व्यवस्था केवल भारत में ही है।हमारी संस्कृति में वर्ण व्यवस्था है जिससे किसी को आपत्ति नहीं है, किन्तु अंग्रेजों ने इसे जातियों में बांटा। आपने कहा कि हमारी मानसिकता कभी साम्राज्यवादी नहीं रही किसी को मिटाने की नहीं रही। वसुधेव कुटुंबकम के भाव से हमने प्रत्येक मनुष्य के कल्याण की भावना रखी मानव मात्र आर्य बनें यानी श्रेष्ठ बनें। यही भावना हमारी रही है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गीत के साथ हुआ।

मप्र को जून से मिल सकती है एयर एम्बुलेंस की सेवा, विमानन विभाग ने जारी किया टेंडर

भोपाल, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के नागरिकों को जून से एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर विमानन विभाग ने एयर एम्बुलेंस के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसकी अंतिम तिथि 26 फरवरी रखी गई। 27 फरवरी को टेंडर खोले जाएंगे। इसके लिए प्री बिड मीटिंग भोपाल में 19 फरवरी को होगी। एयर एम्बुलेंस सेवा में एक हेलीकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

मध्य प्रदेश के छोटे शहरों में गंभीर बीमारी से पीडितों को बडे शहरों के अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एयर एम्बुलेंस उपलब्ध होगी। इसके अलावा देश के अन्य राज्यों में स्थित अस्पतालों के लिए एयर एम्बुलेंस चलाई जाएगी। अभी तक इसका उपयोग सिर्फ संपन्न व्यक्ति ही कर पाते हैं। सरकार सफल हुई तो सरकारी सेवकों एवं आम जनों के लिए भी एयर एम्बुलेंस का उपयोग किया जाएगा।

बाद में राज्य सरकार खरीदेगी एयर एंबुलेंस–यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है ताकि एयर एम्बुलेंस की आवश्यकता होने पर मरीज के स्वजन को परेशान न होना पड़े। इसमें जो शुल्क लगता है, उसमें सरकार द्वारा कुछ छूट भी दी जाएगी। इसमें विभिन्न कंपनियों से टेंडर के माध्यम से अनुबंध किया जाएगा। कंपनियों को इसकी प्रतिपूर्ति सरकार करेगी। बाद में राज्य सरकार एयर एम्बुलेंस की खरीदी कर अपने विमानन बेड़े में शामिल करेगी।

मतदानकर्मियों के लिए की थी व्यवस्था–बता दें कि विधानसभा चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र बालाघाट, मंडला एवं डिंडोरी जिलों में मतदान कर्मियों के लिए एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था की थी। आने वाले लोकसभा आम चुनावों में भी इसकी व्यवस्था रहेगी। लेकिन यह सुविधा प्रदेश के सभी लोगों के लिए रहे, इसलिए राज्य सरकार अपने पास स्थायी रूप से एयर एम्बुलेंस रखना चाहती है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की कार्रवाई तीन फर्मो से लिए चार नमूने

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशन मे मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा नीमच स्थित 3 फर्मो का निरीक्षण कर दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थो के कुल 4 नमूने जांच हेतु लिये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत कुमार शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शनिवार को गीता डेयरी अंबेडकर रोड नीमच से 1 नमूना गाय के दूध एवं 1 नमुना घी का, वृंदावन दूध डेयरी भगवानपुरा चौराहा नीमच से 1 नमून मिक्स दूध् एवं राजकुमार मावा भंडार नीमच सिटी रोड नीमच से 1 नमूना मावा का लिया गया। जांच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

रासेयो शिविर में स्वास्थ्य एवं पशुधन जागरूकता दिवस मनाया

पिपलियामंडी, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया की ओर से गांव गुड़भेली बड़ी में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में पांचवें दिन स्वास्थ्य एवं पशुधन जागरूकता दिवस मनाया। शिविरार्थियों ने ग्राम पंचायत भवन एवं सहकारी समिति भवन में साफ-सफाई कर, गाजर घास उन्मूलन व बौद्धिक कक्ष में रंग रोगन का कार्य भी किया। शिविरार्थियों ने ग्राम में भ्रमण कर स्वच्छता अभियान चलाया एवं रैली निकाली। शिवर के बौद्धिक कार्यक्रम में इंद्रजीत भट्टने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने व दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। अनिल प्रजापति ने सर्पदंश से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी, साथ ही सर्प के काटने पर क्या करना चाहिए, इस बारे में बताया। कार्यक्रम में ब्लाक पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एजाज हुसैन बोहरा ने पशुपालन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर व सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। आभार सचिन कारपेंटर ने माना।

शिक्षा बच्चों की मजबूत नींव का आधार होती है- पाटीदार

कक्षा पांचवी-आठवीं की खेल प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण एवं विदाई समारोह मनाया

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। छात्रों के जीवन में प्राथमिक माध्यमिक शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान होता है, यह छात्रों के जीवन में मजबूत नींव का आधार का काम करती है , आज शासकीय विद्यालय में संपूर्ण सुविधा शासन द्वारा दी जा रही है, सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में उच्च गुणवत्ता स्तरीय शिक्षा दी जा रही है , हाई स्कूल हाई सेकेंडरी स्कूल छात्रों के जीवन को उच्च शिक्षा से परिपूर्ण कर उनका भविष्य तय कर रहे हैं, पालकों के चाहिए कि वह अपने छात्रों को शासकीय विद्यालयों में शिक्षा हेतु प्रवेश दिलाए। उक्त बात ग्राम गुराड़िया देदा पूर्व उप सरपंच व पंच श्री कमलेश पाटीदार ने कहे। इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय गुराड़िया देदा के छात्र-छात्राओं को विभिन्न खेल गतिविधियों में शामिल होने पर पुरस्कार वितरण किया गया तथा कक्षा पांचवी आठवीं के छात्र-छात्रों का विदाई समारोह भी मनाया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत गुराड़िया देदा के पंच एवं पूर्व उपसरपंच श्री कमलेश पाटीदार पटेल, प्राथमिक विद्यालय के पीटीए अध्यक्ष गोवर्धनलाल धनगर, माध्यमिक विद्यालय के पीटीए अध्यक्ष राजमल मेवाड़ा, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। तथा प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक श्रीमती कविता जैन, माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री मेघराज सिंह सिसोदिया और स्टाफ शिक्षक शिक्षिकाएं श्रीमती लीलावती सिसोदिया, श्रीमती किरण भाटी, श्री अनिल सांखला, श्री नंदकिशोर गहलोत, सुश्री ज्योति मालवीय, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती पुष्पा अहिरवार, रेखा पाटीदार एवं कमलाबाई बैरागी, मोनिका बैरागी, विद्या बैरागी सहित पालक व ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन से प्रारंभ हुआ छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना सोनाली, दिव्या, वर्षा, सुहाना द्वारा एवं मध्य प्रदेश गान जीविका अहिरवार, रितिका पाटीदार और चंचल दमानी द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा खेल प्रतियोगिताओं में शामिल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किए गए तथा कक्षा पांचवी आठवीं के छात्र छात्रों का विदाई समारोह मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथियों ने एवं समस्त स्टाफ साथियों ने उन्हें जीवन में सदा उच्च आदर्श अपनाते हुए शिक्षा के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने तथा माता-पिता परिवार का नाम रोशन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अनिल सांखला ने किया आभार श्रीमती किरण भाटी ने माना। उपरोक्त जानकारी शिक्षक अनिल सांखला ने दी है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दो दवाई दुकानों के लायसेंस निलंबित

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन नीमच द्वारा औषधि विक्रय संस्थानों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। विशेषत: एनआरएक्स, नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के रिकॉर्ड की जाँच की जा रही है। औषधि निरीक्षक नीमच श्री एस.के.तिवारी व्दांरा विभिन्न औषधि विक्रय संस्थानों के औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर जिले में संचालित दो मेडिकल स्टोर्स पर कार्यवाही की गई है। निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्थानों के संचालन में विभिन्न अनियमितताएं पाई गई थी जिनके आधार पर संस्थानों को औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला नीमच द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये थे जिसके प्रति उत्तर में संचालकों द्वारा संतोषजनक तथ्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत ना कर पाने के कारण औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत नियमों के उल्लंघन पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी नीमच द्वारा मेसर्स न्यू जय बालाजी मेडिकल स्टोर बघाना एवं मेसर्स श्री सांवलिया मेडिकल एंड जनरल बमोरा नीमच के लाइसेंस निलंबित किये गये है।

औषधि निरीक्षक नीमच एसके तिवारी ने उक्त जानकारी देते हुए नीमच जिले के समस्त औषधि विक्रेताओं को निर्देशित किया है, कि संस्थान के संचालन के दौरान औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 का पालन सुनिश्चित करें एवं एनआरएक्स, नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के क्रय-विक्रय का रिकॉर्ड नियमानुसार संधारित करें। औचक निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रय संस्थान का संचालन नियमानुसार ना पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई, छ: संस्थानों से लिये सेम्पल

मंदसौर, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आमजनों को अच्छे से अच्छी एवं शुद्ध खाद्य सामग्री मिले इस हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन लगतार कार्यवाही कर रहा है। जिला कलेक्टर के निदेर्शानुसार 17 फरवरी को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए मंदसौर के छ: संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते लीगल एवं सर्विलेंस के नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 17 फरवरी को कार्यवाही और निरीक्षण के दौरान हरिओम दूध डेयरी से पनीर एवं दूध, खत्री दूध डेयरी से दूध, श्री राठौर दूध डेयरी से दूध, नाकोड एजेन्सी से दूध, सांची दुग्ध संघ प्लांटसे दूध एवं घी और जैन श्री कार्पोरेशन से दूध का नमूना लिया गया। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान विभाग का सहयोगी स्टॉफ भी मौजूद रहा।

ग्राम पंचायतों में सेल्फी प्वाइंट बने आकर्षण का केंद्र

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद सीईओ के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नीमच जिले में में किए जा रहे नवाचार की आमजनो द्वारा खूब सराहना की जा रही है। नीमच जिले की सभी 243 ग्राम पंचायतो मैं आई लव ग्राम पंचायत के साइन बोर्ड सेल्फी पॉइंट के नाम से जाने जा रहै है ।ये सेल्फी पॉइंट पंचायत एवं सार्वजनिक स्थान पर लगाए गए हैं, जो कि प्रदेश मैं नीमच जिले द्वारा किया गया सर्वप्रथम नवाचार है, जो ग्रामीणों को प्रेरणा दे रहा है कि अपनी ग्राम पंचायत को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित रखना है, ग्राम पंचायत झांतला के साइन बोर्ड के संबंध में ग्रामवासियों ने बताया कि ये साइन बोर्ड देख कर हमे गर्व होता है, बच्चो द्वारा सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपना फोटो अपलोड कर वे अपने आपको गोरवान्वित महसूस कर रहै है।

मकान बन जाने से काफी प्रसन्न है रामलाल

नीमच, 17 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के जनपद नीमच की ग्राम पंचायत घसुण्डी जागीर निवासी रामलाल पिता शंभुलाल अपने कच्चे मकान में परिवार के साथ जीवन यापन करता था। कच्चे मकान में बरसात में छत से पानी टपकने की समस्या रहती थी। वर्षा ऋतु में जहरीले जीव जन्तुओं का डर भी रहता था। रामलाल ने भी अपने पक्के। मकान का सपना संजोये रखा था। मगर कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते पक्काप मकान बनाना बहुत कठिन लग रहा था। ऐसे में रामलाल के पक्केथ मकान के सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा करने में काफी सहायता मिली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीधकृत होकर, रामलाल का भी पक्कास मकान बन गया है। पिछले दिनों विधायक श्री दिलीप सिह परिहार , जिला पंचायत अध्यकक्ष श्री सज्जतन सिह चौहान एवं कलेक्टलर श्री दिनेश जैन ने रामलाल के प्रधानमंत्री आवास का फीता काटकर गृह प्रवेश करवाया। अब रामलाल अपने स्वंयं के मकान में आराम से रह सकेगा। पक्केक मकान की सुविधा मिलने पर रामलाल प्रदेश सरकार और मुख्यवमंत्री जी तथा प्रधानमंत्री जी को आवास योजना का लाभ दिलाने पर धन्यवाद दे रहा है। इसी तरह घसुण्डी जागीर निवासी आशाराम एवं राधाकिशन को भी प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिला है। इस योजना के तहत इन हितग्राहियों को पक्काम मकान बनाने के लिए प्रत्येक को एक लाख 20 हजार रूपये तथा नरेगा योजना के तहत 90 दिवस की मजदूरी का भुगतान भी शासन व्दा रा किया गया है।

संयुक्त उठावना

मेरी धर्मपत्नी एवं बालकिशन, द्वारकादास, अरविन्द की काकीजी,

कमलकिशोर व विजयकुमार की पूज्य माताजी एवं डॉ. रोहित व आदित्य की पूज्य दादीजी एवं जियांश, क्रियांश की पड़दादीजी और भगवानदास जाजू (तराना) की बहिन श्रीमती रुक्मणीदेवी सोमानी का देवलोकगमन दिनांक 16 फ़रवरी 2024, शुक्रवार को हो गया है। उठावना दिनांक 18 फ़रवरी 2024, रविवार को दोपहर 2 बजे हीरा की बगीची, महाराणा प्रताप बस स्टैंड, मंदसौर पर रखा गया है।

शौक बैठक प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से 8 बजे तक निज निवास रखी गई है।

***** शोकाकुल *****
रामविलास सोमानी एवं परिवार (कुचड़ोद वाले), रामटेकरी, मंदसौर
भगवानदास जाजू (तराना वाले)
फर्म – सोमानी इलेक्ट्रॉनिक्स, मंदसौर, जगदीशचंद्र सुरेश कुमार क्लॉथ मार्केट इंदौर

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्री नरभेसिंह पिता नानूरामजी निवासी ग्राम अंत्रालिया, पोस्ट-टोंकड़ा, तहसील सीतामऊ जिला-मंदसौर की मृत्यु दिनांक 03.03.2023 को हो चुकी है। इनका ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 एसी 2124 को इनकी पत्नी श्रीमती कलाबाई ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात उक्त ट्रेक्टर को श्रीमती कलाबाई के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in